HISTORY: CLASS-6: SUMMARY

अध्याय 5- मौर्य साम्राज्य

मौर्य राजवंश चौथी सदी में नन्द राजाओं ने मगध राजवंश पर शासन किया और यह राजवंश उत्तर का सबसे ताकतवर राज्य था । एक ब्राह्मण जिसे चाणक्य या कौटिल्य या विष्णुगुप्त केनाम से भी जाना जाता है, ने मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त को प्रशिक्षण दिया जिसके पश्चात 322 BC में चन्द्र गुप्त ने नन्द वंश के अंतिम राजा घनानंद का तख़्ता पलट दिया । अतः चन्द्रगुप्त मौर्य को मौर्य राजवंश का प्रथम राजा और संस्थापक माना जाता है। इसकी माता का नाम मुरा था, इसीलिए इसे संस्कृत में मौर्य कहा जाता था|

मौर्य राजा

- मगध पर नंद राजाओं का शासन था, जिन्होंने करों से बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया था और एक विशाल सेना का निर्माण किया।
- चाणक्य नामक एक ब्राह्मण मंत्री, जिसे कौटिल्य भी कहा जाता है, ने एक युवा राजकुमार - चंद्रगुप्त मौर्य को प्रशिक्षित किया।
- चंद्रगुप्त ने अपनी सेना का निर्माण किया और नंद राजवंश को उखाड़ फेंका।

सिकंदर

- सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया क्योंकि कुछ उत्तरी क्षेत्रों को अचमेनिद शासकों के महान फ़ारसी साम्राज्य में शामिल किया गया था।
- सिकंदर ने फारसी सम्राट को उखाड़ फेंका और उसके साम्राज्य को जीत लिया।
- 323 ईसा पूर्व में सिकंदर की मृत्यु हो गई, और पंजाब अब उसके द्वारा छोड़े गए यूनानी राज्यपालों द्वारा शासित हो रहा था।

चंद्रगुप्त मौर्य -

- उन्होंने पूरे पंजाब पर विजय प्राप्त की। उत्तर में कुछ जमीन यूनानी जनरल सेल्यूकस निकेटर के पास थी। चंद्रगुप्त ने लंबी लड़ाई लड़ी और उसे 303 ई.पू. युद्ध में हराया |
- सिंधु के पूरे क्षेत्र का अधिग्रहण किया जो अब आधुनिक अफगानिस्तान है।
- इन्होने बाद में जैन धर्म अपनाया और जैन संत बन गए, अपने अंतिम समय जैन गुरु भद्रबाहु के साथ ये श्रवणबेलगोला चले गए |

BYJU'S EXAM PREP

बिन्दुसार

- बिन्दुसार ने दक्कन के पठार और मैसूर तक का क्षेत्र जीत लिया।
- इनके साम्राज्य में अब लगभग पूरा भारत शामिल था। • केवल कलिंग (उड़ीसा) का क्षेत्र और अत्यधिक दक्षिण के राज्य साम्राज्य में सम्मिलित नहीं थे।

अशोक

- ये मौर्य राजाओं में सबसे प्रसिद्ध थे और भारत के अब तक के सबसे महान शासकों में से एक थे।
- इसने कलिंग पर विजय प्राप्त की और इसे अपने साम्राज्य में शामिल किया।
- कलिंग युद्ध के दौरान बड़ी संख्या में नरसंहार हआ जिसे देख कर अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और उसने भविष्य में कोई युद्ध न लड़ने का फैसला किया |
- इसके स्थान पर उसने लोगों से धम्म की नीति को स्वीकारने को कहा।
- भारतीय इतिहास में पहली बार, लगभग पूरा देश एक ही शासक के अधीन था।
- अशोक ने अध्यादेश जारी करना शुरू किया। ये धर्म, सरकार और लोगों के एक दूसरे के प्रति व्यवहार पर उनके विचार थे।
- ये अध्यादेश उसके साम्राज्य के सभी प्रांतों में भेजे जाते थे जहाँ उन्हें चट्टानों या स्तंभों पर उकेरा जाता था, उन जगहों पर लोग एक साथ इकट्ठा होते थे और उन्हें पढ़ा जाता था।

प्रशासन , समाज और संस्कृति

1. **मौर्य कला**

- अशोक के शिलालेख चट्टानों पर और बलुआ पत्थर से बने ऊंचे स्तंभों पर खुदे हुए थे।
- स्तंभों को एक तरह से पॉलिश किया गया था, जो सूर्य के प्रकाश की तरह चमकते थे।
- प्रत्येक खंभे के शीर्ष पर एक जानवर की आकृति उकेरी गई थी- एक हाथी, बैल, या एक शेर।
- सारनाथ के स्तंभ में शीर्ष पर चार शेर थे। यह भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है।

अशोक का प्रशासन

- सरकार पर अशोक के विचार उसके संपादनों में पाए जाते हैं।
- उनका मानना था कि एक राजा को अपनी प्रजा के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा कि एक पिता अपने बच्चों के साथ करता है। वह अक्सर अपने संपादकों में लिखते हैं, "सभी पुरुष मेरे बच्चे हैं,"

- उन्होंने शहरों को जोड़ने वाली अच्छी सड़कों का निर्माण किया, ताकि लोग आसानी से और जल्दी से यात्रा कर सकें।
- पानी के लिए कुएं खोदे गए और यात्रियों के लिए मार्गों में विश्रामगृहों का निर्माण किया गया, धूप से बचने के लिए सड़कों के किनारे छायादार पेड़ लगाए गए।
- रुम्मिनदेई स्तंभ शिलालेख में राजा का नाम प्रियदर्शी उल्लेखित था
- उन्हें सलाह देने के लिए मंत्रियों की एक परिषद थी और कई अधिकारियों ने उनके आदेशों को मानते हुए जिलों में प्रशासन की देखभाल की, करों को इकट्ठा किया|
- प्रान्तों का विभाजन विषय में किया गया था जो विषयपति के अधीन होते थे|

पड़ोसी देशों के साथ संबंध

अशोक ने अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखा। उन्होंने अपने बेटे महेंद्र को सीलोन भेजा बाद में, सीलोन का राजा बौद्ध बन गया।

साहित्यिक स्रोत -कौटिल्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र; यह बताता है कि एक अच्छी सरकार को कैसे संगठित किया जाना चाहिए।

अन्य स्रोत ग्रीक में मेगस्थनीज द्वारा लिखा गया है। मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था।

समाज

मेगस्थनीज लिखते हैं कि अधिकांश लोग किसान थे। व्यापार फला-फूला और व्यापारी देश के हर हिस्से में अपना माल बेचते थे | ब्राह्मण, बौद्ध और जैन भिक्षु किसानों, कारीगरों और सैनिकों की तुलना में कम थे, लेकिन राजा को कोई कर नहीं देते थे।

मौर्य साम्राज्य का अंत

- अशोक के बाद के शासक कमजोर थे और साम्राज्य को ठीक से नियंत्रित नहीं कर सकते थे।
- साम्राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को बड़ी दूरियों से एक-दूसरे से काट दिया गया और इससे प्रशासन और संचार मुश्किल हो गया। एक बड़ी सेना और एक बड़ा प्रशासन रखना भी बहुत खर्चीला था।
- मौर्य राजा को पुष्यमित्र शुंग ने उखाड़ फेंका, जिसने मगध में शुंग वंश की शुरुआत की।